

QP CODE: 24018954



Reg No : .....

Name : .....

**M A DEGREE (CSS) EXAMINATION , APRIL 2024**

**Second Semester**

M A SANSKRIT SPECIAL (NYAYA)

**CORE - SA020204 - NYAYAKUSUMANJALI-IV**

2019 Admission Onwards

16B14043

Time: 3 Hours

Weightage: 30

**Part A (Short Answer Questions)**

Answer any **eight** questions.

Weight **1** each.

1. चतुर्थी विप्रतिपत्तिः विशदयत।
2. ज्ञानव्यवहारान्यथानुपपत्त्याज्ञातता कल्पनम्।
3. ज्ञानस्य निर्विकल्पकपूर्वकसविकल्पकप्रत्यक्षग्राह्यत्वं नास्ति।
4. पदात् कथं ईश्वरानुमानम्।
5. उपजीव्यत्वात् अस्य न बाधः -विशदयत
6. अर्थाश्रयत्वरूपेण परमाणूनां ईश्वरशरीरत्वं न। कुतः
7. पदस्य कथं ईश्वरस्थापकहेतुत्वम् ?
8. प्रत्ययशब्दस्य अर्थं विशदयत।
9. द्व्यणुके त्र्यणुके च न परमाणुपरिमाणं द्व्यणुकपरिमाणं वा कारणम्- विशदयत।
10. अस्मत्पदस्य नाचेतने नात्ममात्रे प्रयोगः- कुतः?

(8×1=8 weightage)

**Part B (Short Essay/Problems)**

Answer any **six** questions.

Weight **2** each.

11. पूर्वज्ञानं द्वितीयानपेक्षं प्रमा द्वितीयं ज्ञानं पूर्वपेक्षं न प्रमा।
12. ज्ञातता न प्रत्यक्षम्।
13. ईश्वरज्ञानं अप्रमा भ्रमत्वात्- निरूपयत।
14. क्षित्यादिकं न चेतनाधिष्ठितहेतुकं शरीराहेतुकत्वात् इति कार्यत्वहेतौ सत्प्रतिपक्षत्वं प्रतिपादयत।





15. कार्यसामान्यकृतिसामान्ययोःव्याप्तिग्रहाभावः- विशदयत।
16. विशेषस्य विशेषं प्रति प्रयोजकतया सामान्यव्याप्तिं प्रति अविरोधकत्वात् -व्याख्यात।
17. संहरणस्य ईश्वरेच्छाधीनत्वे आगमान् प्रदर्शयत।
18. प्रतिपाद्यो न तात्पर्यार्थः-विशदयत।

(6×2=12 weightage)

**Part C (Essay Type Questions)**

*Answer any **two** questions.*

*Weight 5 each.*

19. गृहीतग्राहित्वस्य ईश्वरज्ञानस्य प्रमात्वे स्मृतेरपि प्रमात्वं स्यात् , विशदयत।
20. ज्ञानस्य क्षणिकत्वमतं विचारयत।
21. ईश्वरस्य ज्ञानस्य प्रत्यक्षप्रमाणत्वे इन्द्रियार्थसन्निकर्षोत्पन्नमित्यादि सूत्रविरोधो न । विशदयत।
22. कर्तुः कारणत्वं स्थापयत।

(2×5=10 weightage)

